

## भारतीय सेना दविस

भारत में हर साल 15 जनवरी को जवानों और भारतीय सेना की याद में **सेना दविस** (Army Day) मनाया जाता है।

- इस वर्ष भारत अपना **74वाँ सेना दविस** मना रहा है।

### प्रमुख बडि

- ऐतहिसकि पृषठभूमि:
  - 15 जनवरी, 1949 को, **फील्ड मार्शल कोडंडेरा एम. करयिप्पा** (Kodandera Madappa Cariappa), जो उस समय लेफ्टर्नित जनरल थे, ने जनरल सर फ्रांसिस बुचर (जो उस पद को धारण करने वाले अंतमि ब्रिटिश व्यक्ती) से भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया, थे।
  - कै. एम. करयिप्पा ने '**जय हदि**' का नारा अपनाया **जसिका अर्थ है 'भारत की जीत'**। वह फील्ड मार्शल की पाँच सतारारा रैंक रखने वाले केवल दो भारतीय सेना अधिकारियों में से एक हैं, दूसरे फील्ड मार्शल सैम मानेकशाँ हैं।
- सेना दविस:
  - देश के उन सैनिकों को सम्मानति करने के लिये प्रत्येक वर्ष सेना दविस मनाया जाता है, जनिहोंने नसिवार्थ सेवा और भाईचारे की सबसे बड़ी मसाल कायम की है तथा जनिके लिये देश-प्रेम सबसे बढ़कर है।
  - सेना दविस के उपलक्ष्य में साल दल्लि छावनी के **करयिप्पा परेड ग्राउंड में परेड** का आयोजन किया जाता है।
- भारतीय सेना:
  - भारतीय सेना की उत्पत्त ईस्ट इंडिया कंपनी की सेनाओं से हुई, जो बाद में 'ब्रिटिश भारतीय सेना' और अंततः स्वतंत्रता के बाद, भारतीय सेना बन गई।
  - भारतीय सेना की **स्थापना लगभग 126 साल पहले अंगरेजों ने 1 अप्रैल, 1895 को** की थी।
  - भारतीय सेना को विश्व की चौथी सबसे सशक्त/मज़बूत सेना माना जाता है।

### स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस